I. Report and Accounts (1981-82) of the Tobacco Board Guntur and related papers.

II. Notification of the Ministry of Commerce (Department of Commerce).

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRIMATI RAM DULARI SINHA): Sir, I beg to lay on the Table:

I. A copy each (in English and Hindi) of the following papers, under sub-section (4) of section 19 read with sub-section (3) of section 22 of the Tobacco Board Act, 1975:—

(i) Seventh Annual Administration Report and Accounts of the Tobacco Board, Guntur, for the year 1981-82, together with Audit Report on the Accounts.

(ii) Review by Government on the working of the Board. [*Placed in Library. See* No. LT—6004/83 for (i) and (ii)]

II. A copy each (in English and Hindi) of the Ministry of Commerce (Department of Commerce) Notifications S. O. Nos. 709(E) to 711(E), dated the 5th October, 1982, under sub-section (2) of section 16(E) read with the Proviso to section 16D(2) of the Tea Act, 1953. [*Placed in Library. See* No. LT—6101/83]

Report and certified Accounts (1981-82) of the Textiles Committee, Bombay and related papers.

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. A. SANGAMA): Sir, I beg to lay on the Table a copy each (in English and Hindi) of the following papers, under sub-section (4) of section 13 of the Textiles Committee Act, 1963:—

(i) Annual Report and Certified Accounts of the Textiles Committee, Bombay, for the year 1981-82, together with the Audit Report on the Accounts.

(ii) Review by Government on the working of the Committee. [*Placed in Library, See* No. LT-6106/83].

I. Report and Accounts (1981-82) of Jute Manufacturers Development Council, Calcutta and related papers.

II. Report and Accounts (1981-82) of the Plastics and Linoleums Export Promotion Council, Bombay and related papers.

III. Report and Accounts (1981-82) of the Silk and Rayon Textiles Export Promotion Council, Bombay and related papers.

SHRI P. A. SANGMA: Sir, I also beg to lay on the Table a copy each (in English and Hindi) of the following papers:—

(i) Annual Report and Accounts of the Jute Manufacturers Development Council, Calcutta, for the year 1981-82, and the Auditors' Report on the Accounts, together with Review by Government on the working of the Council. [*Placed in Library. See* No. LT-6104/83].

(ii) Twenty-seventh Annual Report and Accounts of the Plastics and Linoleums Export Promotion Council, Bombay, for the year 1981-82 and the Auditors' Report on the Accounts, together with Review by Government on the working of the Council. [*Placed in Library. See* No. LT-6103/83].

(iii) Twenty-eighth Annual Report and Accounts of the Silk and Rayon Textiles Export Promotion Council, Bombay, for the year 1981-82, together with the Auditors Report on the Accounts and Review by Government on the working of the Council. [*Placed in Library,* See No. LT-6105/83].

RE: DEMANDS FOR DISCUSSION ON VARIOUS MATTERS

श्री रामेश्वर सिंह (उत्तर प्रदेश) : प्रवाइंट आफ आर्डर है । श्रीमन् मेरा व्यवस्था का प्रश्न है । कल भी मैंने रेक्वेस्ट की थी और हमारे माननीय नेता श्री आडवाणी जी ने भी कहा था,

जो हम लोगों के नेता हैं और सदन में सारे सदस्यों ने...

श्री उपसभापति : आप अपनी बात तो कहिये ।

श्री रामेश्वर सिंह : आप निर्गुट सम्मेलन पर कब बहस करायेंगे ।

श्री उपसभापति : लीडर्स की मीटिंग हुई है यह आपको पता होगा । आपकी पार्टी से भी रहे होंगे ।

श्री रामेश्वर सिंह : आप इस पर कल बहस कराइये ।

श्री उपसभापति : ऐसा क्या चलता है ?

श्री रामेश्वर सिंह : आप इस पर कब बहस करायेंगे ?

श्री उपसभापति : आपको बता दिया जायेगा कि कब बहस होगी, सब्र रखिये थोड़ा ।

(व्यवधान)

देखेंगे कब होता है । जब बातचीत होगी और जब पता चलेगा तब बता देंगे कि क्या फैसला है । यह कल भी मैंने कहा था कि इस पर बहस हो जायेगी । कागज-पत्र भी तो मिलने चाहिए ।

SHRI G. C. BHATTACHARYA (Uttar Pradesh): Sir, the Lok Sabha has already paid homage to Karl Marx, and I request you..

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Don't raise such things lightly. (*Interruptions*) Please take your seat. You have already mentioned.

SHRI G. C. BHATTACHARYA: On the eve of Karl Marx Centenary, the Lok Sabha.

श्री उपसभापति : अगर आपको ये सब बातें करनी थी तो आपको चेयरमैन साहब के यहां सुबह आना चाहिए था और तब कह लेना चाहिए था । ... (*Interruptions*) Don't raise such things in the House. It is not a matter for zero hour. Please request me in the Chamber. Do not make this request here. Do not use the zero hour for this. (*Interruptions*)

श्री सत्यपाल मलिक (उत्तर प्रदेश) : श्रीमन् मैं आपसे व्यवस्था चाहता हूं । बहुत नियम विरोधी और खराब बात हो रही है । जब किसी मसले पर बहस होती है तो मंत्री जी आश्वासन देते है । उसके बाद सालों तक पता नहीं चलता उन चीजों का और वह आश्वासन तोड़े जाते हैं । श्रीमन् मैं आपकी व्यवस्था एक पर्टिक्युलर मामले में चाहता हूं । यहां बहस हुई पिछले सत्र में...

श्री उपसभापति : आप...

श्री सत्यपाल मलिक : पहले आप सुन लीजिये, बाद में कहिये ।

मेरठ के संबंध में जो ..(व्यवधान).. सदन में जो आश्वासन दिया गया था मेरठ के बारे में...

श्री उपसभापति :

I don't allow this. Don't record this.

श्री सत्यपाल मलिक : *

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I have not permitted him. Don't record this.

श्री सत्यपाल मलिक : *

श्री उपसभापति : जी नहीं बिलकुल इररेलेवेंट बात कर रहे हैं ।

---

*Not recorded.

श्री सत्यपाल मलिक :*

श्री उपसभापति : आप कृपा कर के बैठ जाइये ।

श्री सत्यपाल मलिक :*

श्री उपसभापति : आप बैठ जाइये जब मैं खड़ा हुआ हूं । आप नियमों का पालन करिये बैठ जाइये । जो आपने बुनियादी बात कही **(व्यवधान)** जो आश्वासन सदन में दिया जाता है । उसको पूरा करने में यदि विलम्ब होता है तो उसका अर्थ निकाला जाता है **(व्यवधान)** आप बैठ जाइये । अगर कोई सदन में आश्वासन दिया गया है तो सदन की कमेटी है जिसके अध्यक्ष माननीय श्री राममूर्ति जी हैं और दूसरे मैम्बरान हैं आप उस आश्वासन के सम्बन्ध में उस कमेटी को पत्र लिखें वह कमेटी उसकी जांच करती है उसकी रिपोर्ट सदन के सामने आती है । अगर आप नहीं संतुष्ट हों तो सदन उस रिपोर्ट पर विचार भी कर सकता है **(व्यवधान)** उसका तरीका है । आप बैठ जाइये अब **(व्यवधान)** आप अलग से सवाल पूछिये ।

श्री सत्यपाल मलिक : मान्यवर, मैं तो आपका हस्तक्षेप चाहता था, बेटर मेंस प्रिवेल करेगी, आप मेरी बात सुन लेते और सरकार को डाइरेक्शन देते । जो काम दो महीने का था जसवंत सिंह कमीशन ने उसमें डेढ़ साल लगा दिया फिर उसको एक्सटेंशन दे दिया **(व्यवधान)** यू० पी० जलने के लिए तैयार है, आन्दोलन की तैयारी है और आप सुनने के लिए भी तैयार नही हैं **(व्यवधान)** आप डाइरेक्शन दे देते सरकार को ।

श्री उपसभापति : इसकी कोई जरूरत नहीं है ।

श्री सत्यपाल मलिक : इस मामले को मैंने उठाया था तो क्यों उसको एक्सटेंशन दे दिया है ।

श्री उपसभापति : आप आश्वासन कमेटी से जा कर मिलें ।

श्री सत्यपाल मलिक : आश्वासन समिति तो दो साल में मामला तय करेगी **(व्यवधान)** मामला तीन महीने में तय होने वाला है **(व्यवधान)**

श्री उपसभापति : हर मामले को सदन में उठाया नहीं जा सकता । हर एक का प्रोसीजर है ।

श्री सत्यपाल मलिक : हम तीन महीने में फैसला चाहते हैं और आप कहते हैं आश्वासन समिति में चले जाइये **(व्यवधान)**

श्री शान्ति त्यागी (उत्तर प्रदेश) : श्रीमन् यह बहुत ही अहम् मसला है और **(व्यवधान)**

श्री उपसभापति : आप दूसरे तरीके से इस प्रश्न को उठायें । **(व्यवधान)** ताकि उसका जवाब दिया जा सके **(व्यवधान)**

श्री सत्यपाल मलिक : आप हमारी बात तो सुन लेते लेकिन उससे पहले ही आप हमें समझाने लगते हैं और डांटने लगते हैं **(व्यवधान)**

श्री उपसभापति : वह तो सारी समझ आपके पास रखी है तो क्या करें आरोप लगाना तो आसान है **(व्यवधान)**

श्री शान्ति त्यागी : उपसभापति महोदय, वहां पर असंतोष है **(व्यवधान)**

श्री उपसभापति : आप इस को दूसरी तरह से उठाइये । इस तरह से जवाब नहीं मिलेगा ।

*Not recorded.

श्री लाल कृष्ण आडवाणी (मध्य प्रदेश) : माननीय उपसभापति जी, मैंने कल एक प्रश्न उठाया था पत्रिकाओं के संचालन को रोकने के बारे में जिसका बहुत सारे विरोधी दलों के सदस्यों ने भी अनुमोदन किया था । आपने स्वयं अध्यक्ष पद से यह आशा व्यक्त की थी कि सरकार इसके बारे में प्रतिक्रिया व्यक्त करेगी और सदन को विश्वास में लेगी । सदन के नेता भी उपस्थित हैं विदेश मंत्री भी उपस्थित हैं जिनके नेतृत्व में यह सम्मेलन संचालित हुआ । मैं जानना चाहता हूं कि यह क्यों हुआ, क्या हुआ, कैसे हुआ, जरा जानकारी तो दें । स्थिति क्या है । मेरी तरफ से बात कही गई उसके बाद आपने बात कही उससे वजन बहुत ज्यादा हो गया । Therefore, let the Government react.

श्री उपसभापति : इस पर टाइम लिमिट तो नहीं बान्ध सकते कि तुरंत हो जाए ।

SHRI JASWANT SINGH (Rajasthan): Sir, I had made a submission to you earlier. On the initiative of the hon. Minister for Home Affairs, a statement was made in the other House yesterday on the question of Assam. This is the Council of States. We continue to be aggrieved and disturbed about a disturbed State. As the Minister was good enough to make a statement, succeeded by a debate in the other House, it is only becoming and right that the Council of States be not denied the same right. The Leader of the House is here, and with some guidance from your side, perhaps, some time can be fixed when this House would be able to discuss the statement made by the Home Minister in the other House or he may make another statement here so that we are able to get clarification on various doubts.

SHRI DINESH GOSWAMI (Assam): Sir, the other House has discussed it. I have given notice for a No-Day-Yet-Named Motion. Some date may be fixed for discussing it. And the Leader of the House has agreed and the only thing is fixing up of a date.

THE LEADER OF THE HOUSE (SHRI PRANAB KUMAR MUKHERJEE): Sir, first, in regard to the discussion on Assam, yesterday also, you directed me to ascertain from the Home Minister and find out the position. This morning, Mr. Dinesh Goswami also suggested it when we were having informal discussion with the leaders of the various groups. Shortly after this, we are sitting amongst ourselves and we will fix up a time and we will communicate it to you when the time is fixed for discussion in regard to Assam.

In regard to the other matter about which Mr. Advani spoke, yesterday I was unfortunately not present because of my preoccupations in the other House. I will ascertain the position and I will keep him informed; but it may not be possible today, it may be possible tomorrow.

CALLING ATTENTION TO A MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

Reported increase in incidents of Bank Robberies, Frauds and Embezzelement of funds in Nationalised Banks.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: We will not take up the Calling Attention Motion.

SHRI KALYAN ROY (West Bengal): Sir, why is the Finance Minister leaving now? He looks after the banking.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The Deputy Minister is here.

SHRI J. P. GOYAL (Uttar Pradesh): Sir, I beg to call the attention of the Minister of Finance to the